विवरण

(रुपये प्रति मीटर टन)

क्रम संख्या	उर्वरक का नाम	7-6-1980 को मूल्य	8-6-80 से संशोधित मूल्य	पूर्ण रूप से वृद्धि
1	2	3	4	5
1	यूरिया	1450	2000	550
2	डी ए पी (18-46-0)	2200	3050	850
3	17-17-17 . . .	1600	2200	600
4	15-15-15 . . .	1300	1800	500
5	19-19-19 . . .	1800	2500	700
6	20-20-0 (एपीएस) . .	1600	2200	600
7	20-20-0 (एन पी) . .	1500	2050	550
8	16-20-0 . . .	1400	1950	550
9	24-24-0	1900	2600	700
10	28-28-0 . . .	2200	3050	850
11	14-28-14 . . .	1900	2600	700
12	10-26-26 . . .	1800	2500	700
13	14-35-14 . . .	2100	2900	800
14	12-32-16 . . .	2000	2750	750
15	टी एस पी (दानेदार) . .	1600	2200	600
16	टी एम पी (चूर्ण) . . .	1500	2050	550
17	एम ओ पी (60 प्रतिशत के ओ 2)	805	1100	295
18	सल्फेट आफ पोटाश . . .	1295	1800	505

संस्कृत विश्वविद्यालय

5874. **श्री सत्यनारायण जाटिया** : क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कुल कितने संस्कृत विश्व-विद्यालय हैं और केन्द्र सरकार द्वारा कितने संस्कृत विश्वविद्यालय चलाये जा रहे हैं और वे कहां कहां पर स्थित हैं ;

(ख) क्या सरकार ने संस्कृत के संवर्धन के लिये विशेष योजना अथवा कार्यक्रम तैयार किया है ;

(ग) क्या संस्कृत को सीखने और समझने के लिए आकाशवाणी से संस्कृत पाठों का प्रसारण किया जाता है ; और

(घ) क्या सरकार विश्व संस्कृत प्रतिष्ठानम पांडिचेरी को संस्कृत के प्रचार तथा अध्ययन के लिए कोई सहायता दे रही है ?

शिक्षा और स्वास्थ्य और समाज कल्याण मंत्री (श्री बी. शंकरानन्द) : (क) के.एस.डी. संस्कृत विश्वविद्यालय दरभंगा और सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, दो संस्कृत विश्वविद्यालय हैं और दोनों सम्बन्धित राज्य सरकारों द्वारा चलाये जाते हैं। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान जो शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय का स्वायत्त निकाय है, शिक्षण तथा अनुसंधान के स्नातकोत्तर स्तर पर तिरुपति इलाहबाद, दिल्ली, पुरी, जम्मू और गुरूवायूर में छः केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ चला रहा है।

(ख) विवरण संलग्न है।

(ग) जी, हां 30 प्रसारण केन्द्रों से।

(घ) अनुरोध प्राप्त हुआ है और उस पर विचार किया जा रहा है।

विवरण

संस्कृत के विकास के लिए शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित योजनाएं निम्नलिखित हैं:—

1. इस मंत्रालय द्वारा स्थापित एक स्वायत्त निकाय, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान को सहायता अनुदान।
2. संस्कृत के प्रसार और विकास में कार्यरत स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को सहायता अनुदान।
3. संस्कृत की पुस्तकों के क्रय और प्रकाशन सहित संस्कृत साहित्य का निर्माण।
4. आदर्श संस्कृत पाठशालाओं की स्थापना।
5. निम्नलिखित को छात्रवृत्तियां प्रदान करना :—
   (1) संस्कृत में उत्तर मैट्रिक अध्ययन के लिए छात्रवृत्तियां।
   (2) शास्त्री और आचार्य पाठ्यक्रमों में पढ़ने वाले छात्रों को राष्ट्रीय छात्रवृत्तियां।
   (3) परम्परागत पाठशालाओं से पढ़े हुए छात्रों को अनुसंधान छात्रवृत्तियां।
6. अखिल भारतीय संस्कृत वक्तृत्व प्रतियोगिताओं का आयोजन।
7. वैदिक सम्मेलन का आयोजन।
8. दुर्लभ संस्कृत पाण्डुलिपियों के प्रकाशन के लिए स्वैच्छिक निकायों तथा अनुसंधानी संस्थाओं को सहायता।
9. वैदिक पाठ की परम्परा को बनाए रखना।
10. अभाव-ग्रस्त परिस्थितियों में रह रहे संस्कृत पंडितों को वित्तीय सहायता।
11. संस्कृत पाठशालाओं का आधुनिकीकरण।
12. माध्यमिक स्कूलों में संस्कृत पढ़ाने के लिए सुविधाओं की व्यवस्था करना।
13. माध्यमिक स्कूलों में संस्कृत का अध्ययन कर रहे छात्रों को छात्रवृत्तियां प्रदान करना।
14. संस्कृत की प्रोन्नति से सम्बन्धित योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए राज्य सरकारों को अनुदान।
15. उत्कृष्ट संस्कृत अध्येताओं को राष्ट्रपति द्वारा मानद प्रमाण पत्र प्रदान करना।

Refashioning of Educational System

5875. SHRI JANARDHANA POOJARY: Will the Minister of EDUCATION be pleased to state:

(a) whether the Vice-Chancellor of Jawaharlal Nehru University has suggested for refashioning of the educational system in the interest of social, economic and cultural development of one fifth of mankind; and

(b) if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF EDUCATION AND HEALTH AND SOCIAL WELFARE (SHRI B. SHANKARANAND): (a) Yes Sir. He made these suggestions in the course of his speech at a seminar on "Effects of deprivation in early childhood on learning" held under the aegis of Indo-U.S. Sub-commission on Education and Culture held at New Delhi on 12th May, 1980.